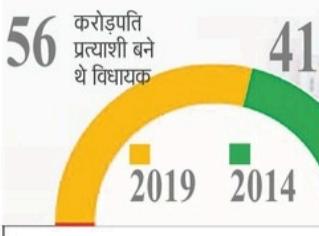


विधानसभा चुनाव के 81 विजयी प्रत्याशियों में 80 के हलफनामे का विश्लेषण, रामेश्वर सबसे अमीर और जयराम सबसे गरीब

इस बार 71 नवनिर्वाचित विधायक करोड़पति

एडीआर रिपोर्ट

ऐसे बढ़ रहे राज्य में करोड़पति विधायक



गंची, विशेष संवाददाता। झारखंड विधानसभा के 81 नवनिर्वाचित विधायकों में सबसे अमीर लोहरदगा के काग्रेस विधायक रामेश्वर उराव हैं, जबकि सबसे गरीब विधायक दुमरी से जेपेक्षेएम से जीते जयराम महतो हैं। रामेश्वर उराव के पास 42.20 करोड़ की संपत्ति है। जयराम के पास 2.55 लाख की संपत्ति है। झारखंड में नवनिर्वाचित विधायकों में 89 प्रतिशत करोड़पति हैं।

द झारखंड फिलेक्स वाँच और एसोसिएशन फिलेक्स रिकॉर्ड्स (एपीआर) ने 81 विजयी उम्मीदवारों में से 80 के हलफनामों का विश्लेषण किया। इसके अनुसार 2024 में 71 नवनिर्वाचित विधायक करोड़पति हैं, जो 2019 के निर्वाचित विधायकों से 20 प्रतिशत अधिक हैं।

आरक्षित सीटें घटाने की कोशिश सही नहीं होगी

झामुमो

- डिल्यू की जीत के बाद झामुमो नेता का केंद्र पर हमला
- परिसीमन पर उत्तर सवाल हम मनुवादी सोच समझते हैं
- आज सूप्रभु सुदेश महतो को बताया बेरोजगर

सीता हरण तुमने किया तो हुनुमान ने लंका जलायी
मन्त्रिमंडल में शामिल होने वाले केंद्रीय सरकार पर कहा कि झारखंड सूप्रभु भट्टाचार्य ने कहा है कि रजिस्ट्रेटर जनरल ऑफ इंडिया इसकी जिम्मेदारी लेकर कर रखा कि राज्य में जिस अनुपात में विधानसभा सीटों को घटाने की कोशिश की गई तो सभी नहीं होती। सूप्रभु पार्टी मुख्यालय में सोमवार को प्रेस बातार कर रहे थे। उन्होंने परिसीमन पर निश्चाना साधा कि हम उनकी मनुवादी सोच को समझते हैं। 2012 में जब परिसीमन आयोग झारखंड आया था, तब ही उनकी पार्टी ने यह आशंका जतायी थी।

जहां ज्यादा जहर उगला, वहीं भाजपा का सूपड़ा साफ



सूप्रभु ने कहा कि भाजपा नेताओं ने जहां सबसे ज्यादा जहर उगला, वहीं उनका सूपड़ा साफ़ हो गया। विषय के जनप्रतिनिधि सकारात्मक भूमिका निर्धारित है। भारी सरकार के जो प्रस्ताव राज्यालय के पास लौटा है, उसे केंद्र तक पहुंचायें। बिना नाम लिए जयराम महतो की ओर जयराम करते हुए कहा कि वे सरकार के साथ सकारात्मक विद्या में चले। मांदू से जीते जायसु के जनप्रतिनिधि को संवेदित करते हुए कहा कि उनके नेता रोजगार देने वालों को सरकार बनाने वाले थे, अब खुद बेरोजगा हो गए।

भाजपा की झारखंड में हुई हार के कारणों पर तीन को दिल्ली में मंथन

गंची, हिन्दुस्तान ब्यूरो। भाजपा झारखंड विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा करेगी। इसे लेकर पार्टी के दिल्ली मुख्यालय में तीन दिसंबर को उच्चस्तरीय बैठक होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा मौजूद रहेंगे।

इससे पहले हार की वजहों को लेकर 30 नवंबर को प्रदेश स्तरीय बैठक भी होगी। इसमें प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

लोकतंत्र के महापर्व मतदान दिवस को सफल बनाने हेतु धनबाद विधानसभा क्षेत्र के समस्त सम्मानीय मतदाताओं, कार्यकर्ताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों का हार्दिक आभाए एवं धन्यवाद।



जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

जिलाध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी, नवनिर्वाचित विधायक, विधायक प्रत्याशी मौजूद रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, भाजपा आलाकमान ने हार की वजहों पर प्रिपोट मार्गी है।

दो बच्चों की मां को किशोरी से हुआ प्यार, दोनों ने छोड़ा घर

अजब प्रेम

27 साल की है महिला व 15 साल की किशोरी

- घरवालों की शिकायत पर धनसर पुलिस ने दोनों को किया बरामद
- समैलीगंग प्यार को लेकर धनसर में चर्चा जोरों पर

दोनों एक-दूसरे से जुदा होने को तैयार नहीं थी। पूछने पर दोनों ने बताया कि वे एक-दूसरे से प्यार करती हैं। महिला को उम्र केरब 27 साल है।

धनसर थाना की महिला औफिसरों ने दोनों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। सीडब्ल्यूसी के प्रतिनिधियों को भी मामले की जानकारी दी गई है।

दोनों ने बताया कि एक-दूसरे से बेहद प्यार करती हैं और अब साथ ही रहना चाहते हैं। दोनों ने पुलिस और परिजनों से मिन्नतें कीं कि उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाए। हालांकि घर वाले मानने को तैयार नहीं थे। दोनों ने बताया कि परिजन उन पर दबाव डाल कर घर वापस चलने को कह रहे हैं। महिला को बच्चों की भी दुहाई दी जा रही है।

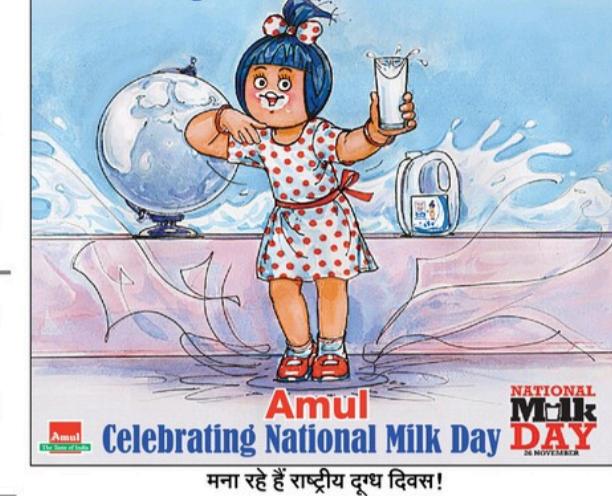
इंस्टाग्राम पर हुआ प्यार, किशोरी भाग बंगाल से पहुंची निरसा

धनबाद, वरीय संवाददाता। पूर्व बद्धमान के कलना से भागकर एक किशोरी अपने प्रेमी से मिलने निरसा पहुंच रही। उधर कलना थाना में किशोरी के परिजनों ने अपहरण का केस कर दिया। किशोरी इंस्टाग्राम पर रिल्स बनाई है। इसी सोशल मीडिया पर उसकी जान पहचान निरसा के एक युवक से हो गई। बाद में युवक से मिलने वाली पर्वी वर्द्धमान से भागकर निरसा आ गई और युवक का साथ ही रहने लगी। पुलिस की ओर से धनबाद सीडब्ल्यूसी की किशोरी के

बारे में सूचना दी गई। चाइल्ड हेल्प लाइन की पूर्ण कुमारी ने स्थानीय पुलिस की मदद से उसे निरसा से निरसा आ गई और युवक का गृह में आवासित कर दिया। युवक फरार है। सोमवार को किशोरी को सोशल मीडिया

में प्रस्तुत किया गया, जहां बंगाल से पुलिस की टीम भी वहुचा। कांउलिंग के बाद किशोरी को पुलिस को सोच दिया गया, वही केस का वैवाहिक बद्धमान सीडब्ल्यूसी को हैंडओवर कर दिया गया।

Dairy to India. Dairy to the world



मन रहे हैं राष्ट्रीय दूध दिवस!

1996 में हुई भारी बारिश में ढह गया था सिंदरी के मनोहरटांड पुल का आधा हिस्सा

मनोहरटांड का पुल तीन दशक से अधूरा, तीन की हो चुकी है मौत



जानलेवा
आधे-अधूरे
पुल



सिंदरी, प्रतिविधि। उत्तर प्रदेश के बेरेली में शनिवार को गुरुगंग और अधूरे पुल पर ले गया। इससे कार और पुल के नीचे निर गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। धनबाद में भी इस तरह की घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जिले के कई पुल-पुलिंग जर्जर हैं। इनमें से ही एक है सिंदरी के मनोहरटांड का अधूरा हीरक पुल। पिछले तीन दशकों से अधूरे इस पुल की स्थिति दिनों-दिन भवावह होती जा रही है। इस टटे हुए पुल से होकर प्रतिदिन सैकड़ों बाइक, पिकअप वैन तथा बालू-गिर्दी लदे टैक्टरों की आवाजाही होती रहती है। पुल का आधा हिस्सा ढह गया है।

वर्ष 1996 में हुई भारी बारिश के कारण यह बाहर आना-जाना करते हैं। पुल के शक्तिग्रस्त हिस्से में घास एवं झाड़ियां उग आई हैं। शेष हिस्से में बाइक सवार एवं अन्य बाहनों के चालक जान दालों में डालकर आना-जाना करते हैं। पुल का बचा हुआ दूसरा हिस्सा, जिससे हमेशा दुर्घटना का डर बना रहा है।

बोकारो जाने का सुगम रास्ता

बलियापुर प्रखंड क्षेत्र गांवों के लोगों के लिए इसी पुल से पार होकर बोकारो जाने का सुगम और सरल रास्ता है।

इसी रास्ते से हांकर प्रतिदिन सैकड़ों लोग काढ़ा, चासनाला, पाथरीही, जोड़ापोखर, भीरा आते-जाते हैं। इसी पुल से लोग सुदामीह तथा विसर्ग पुल होते हुए बोकारो पुरुलिया जाते हैं।

10 लाख रुपए की लागत से 10 बनाया गया था पुल

10 गांवों के लिए है पुल

12 से अधिक लोग अब तक हो चुके हैं घायल

सिंदरी मनोहरटांड हीरक पुल का धृतिग्रस्त हिस्सा, जिससे हमेशा दुर्घटना का डर बना रहा है।

भिखराजपुर से राजाबर्स्ती तक अधूरे हीरक रोड का निर्माण करवाया जाएगा। उसी क्रम में टटे हुए हीरक पुल का निर्माण भी हो जाएगा।

- चंद्रदेव महतो, विधायक, सिंदरी

सिंदरी के पास है। निर्माण के कुछ महीनों बाद भारी बारिश का दबाव पुल नहीं झेल पाया और आधा हिस्सा ढह गया। हालांकि सिंदरी के पूर्व विधायक इंद्रजीत महतो ने विधानसभा सत्र में हीरक रोड और पुल निर्माण का मुद्दा उठाया था। बलियापुर क्षेत्र के कम से कम 10 गांव तथा सिंदरी टाउनशिप का आधा हिस्से के लोगों के लिए वह पुल सबसे सुगम और सरल रास्ता है।

किंतु टटे हुए पुल में चारपहिया वाहनों के आवाजाही में दुर्घटना होने का डर बना रहता है। अचानक किसी मरीज को सीएचसी चासनाला ले जाने के लिए सिंदरी होकर घुमना पड़ता है।

विधानसभा में उठा था मुहा: 1996 में केंद्र सरकार की योजना से लोगों के लिए इसी पुल से पार होकर बोकारो जाने का सुगम और सरल रास्ता है।

इस पुल का निर्माण 10 लाख रुपए की लागत से किया गया था। हीरक धनबाद गोल बिलिंग मोड़ से लेकर काढ़ा करता

20% ज्यादा

— ₹10/- में —

20% EXTRA ₹10/-

Hornicks

PROTEIN
CALCIUM
IRON

NEW & IMPROVED[#]

CLASSIC MALT

Per Pack (24g)
Kcal 91
RDA

250g

नई सरकार से उम्मीद, विकसित राज्य बनें झारखंड

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड मुकित मोर्चा और इंडिया गढ़वाल की दोबारा दमदार वापसी से हर क्षेत्र के लोगों में उम्मीदें जीरी हैं। अगले पांच वर्षों में झारखंड एक विकसित राज्य के रूप में आकार ले सके, यह सपना हर झारखंडवासी का कहा है। अगर नई सरकार सही रणनीति के साथ अपनी जनघोषणाओं को धरातल पर उतारे तो आनेवाले समय में झारखंड अन्य राज्यों के लिए भी विकास की नीजी बन सकता है। नई सरकार से लोगों की क्या है उम्मीदें, इस पर आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान ने विभिन्न क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों से उनके विचार और उम्मीदें जानने का प्रयास किया है।

उच्च शिक्षा में नियमित नियुक्तियां शुरू हों : डॉ वागीश

रांची विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थी डॉ वागीश चंद वर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में अगर 8 सुनित पद हैं, तो उन पर 3-4 पदों पर ही नियमित नियुक्ति है। मार्डर, लोहरामा यहां तक कि रायी के कई कालेजों में कई विषय में एक शिक्षक हैं या किसे हैं ही नहीं। विद्यार्थी अपने बूझ पढ़ और परीक्षा दे रखे हैं। नियमित विश्वविद्यालय की खाली जानी ही है। विश्वविद्यालय के प्रश्नानिक पदों पर एक आवेदन नहीं कर सकते। उच्च शिक्षा की स्थिति पूरी तरह बेहतु है। नई सरकार को वाहिं दिया कि वह जीपीएसी को शिक्षकों की नियुक्ति-पदोन्नति के मामलों को जल्द निपटाने का लक्ष्य दे।

जनघोषणाओं को धरातल पर जल्द उतारना होगा : राजेश

झारखंड वार कालौंसिल के उपायक्ष राजेश कुमार शुल्क ने कहा है कि सरकार को इस वार जाने ने प्रबंध बहुत दिया है। सरकार को भी जनता की उम्मीदें पर खरा उतारा होगा। सरकार ने जीयोजना की घोषणा की है, उसे समय पर पूरा करें। सरकार एवं एपी नीति बारे और सुविधाएं उपलब्ध कराएं, ताकि इलाज को लिए आवेदन नहीं कर सकते। उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार करना होगा, निवेश बढ़े। नई सरकार को वाहिं दिया कि वह जीपीएसी को शिक्षकों की नियुक्ति-पदोन्नति के मामलों को जल्द निपटाने का लक्ष्य दे।

राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार की उम्मीद : प्रेमचंद्र

ट्राईबल एडवाइजरी कालौंसिल, झारखंड सरकार के पूर्व सदरवर प्रेमचंद्र मुरोंगे के लिए कहा है कि नई सरकार से उम्मीद है कि राज्य की अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य को आयोड खिलाफ लड़ाया जाए। राज्य का नाम जीयोजना संपादन की रूप से राज्यांतरी से राज्य का विकास तीव्र गति से हो। राज्य सरकार जो भी योजनाएं हैं। सीमों ने अपीली तरह वर्तीनों के लिए अंतर द्वारा बाहिर हो गया। ताकि वर्तीनों की आकाशकारी पर भी सरकार खरा उतरे और सरकार को अपीली के लिए कल्याणकारी सावित हो सके।



किसानों को मेहनत का फल मिले : एमएस यादव

विरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के पूर्व डीन डॉ एमएस यादव ने कहा कि झारखंड में जल्द जीमीन को कृषि योग्य बनाकर खुशीलालू जी सकती है। इनके लिए सरकार को त्रासों से हर संभव प्रयास करना होगा। बजरंग डीजी जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं। झारखंड में खेतों में जीवशक्ति की बहुत कमी है और मिट्टी की प्रकृति अल्पीय है। जीवक खाद्य और पौधों की कमी को पूरा करने के लिए चुना डालना जरूरी होता है। वर्ती, द्वारा मरेशियों की संख्या बढ़ाकर राज्य में दृष्टि को लेकर आविनिर्भरता की बढ़ाई जा सकती है।

खिलाड़ियों को मिले बेहतर प्रशिक्षण केंद्र : निवकी

होकी ऑलिंपियन निवकी प्रधान के लिए कहा कि नई सरकार से उम्मीद होती है कि खिलाड़ियों के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्यीय स्तर से आवानले अपीली संपादन के लिए बेहतर प्रशिक्षण केंद्र अपासना उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार को कम करना चाहिए। प्रशिक्षण केंद्रों में आयुषिक उपकरणों की व्यवस्था कराई जाए। इसके अलावा खिलाड़ियों के रोजाना पर सरकार को ध्यान देना चाहिए, यद्यपि अधिकारीयों के लिए खेत में काम हो और टीरीएसी के सशर्त कानून आधारित किया जाए। पांचीय उम्मीद है कि शिद्धारुप रियायों के लिए दृष्टि में उत्तर दिया जाए। खेत के क्षेत्र में अधिक व्युत्प्रतिष्ठान के लिए संविधान दिया जाए।

राज्य में निवेश के लिए माहौल बनाना चाहिए : प्रमोद

प्रबंध विशेषज्ञ और संस्थान के लिए विशेषज्ञ करने के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य का नाम जीयोजना संपादन के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य सरकार जो भी योजनाएं हैं, उत्तर दिया जाए। राज्य का नाम जीयोजना के लिए दृष्टि में सरकार की राज्य सरकार को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इसके अलावा खिलाड़ियों के रोजाना पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। यद्यपि अधिकारीयों के लिए खेत में काम हो और टीरीएसी के सशर्त कानून आधारित किया जाए। पांचीय उम्मीद है कि शिद्धारुप रियायों के लिए संविधान दिया जाए।

- नई सरकार को चाहिए कि वह जीपीएसी को शिक्षकों की नियुक्ति-पदोन्नति के मामलों को जल्द निपटाने का लक्ष्य दे।
- खतियां के आधार पर स्थानीय व जिला के आधार पर नियोजन जीति बने, पैसा कानून को लागू किया जाए।
- बंजर पटी जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं। कृषि योग्य बनाने की दिशा में पहल करनी होगी।

डॉक्टरों की संख्या बढ़ाना सबसे ज्यादा जरूरी : प्रदीप

आईएमए के संचिव प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि सरकार को बेहतर इलाज के लिए विकल्पों की संख्या में बढ़ावा लाना सबसे ज्यादा जरूरी है। कोशिश करनी चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं। झारखंड में खेतों में जीवशक्ति की बहुत कमी है और मिट्टी की प्रकृति अल्पीय है। जीवक खाद्य और पौधों की कमी को पूरा करने के लिए चुना डालना जरूरी होता है। वर्ती, द्वारा मरेशियों की संख्या बढ़ावा देने की दिशा में सरकार को छोटे पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

राज्य में निवेश के लिए माहौल बनाना चाहिए : प्रमोद

प्रबंध विशेषज्ञ और संस्थान के लिए विशेषज्ञ करने के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य का नाम जीयोजना संपादन के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य सरकार को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए खेत में काम हो और टीरीएसी के सशर्त कानून आधारित किया जाए। पांचीय उम्मीद है कि राज्य में अधिक वित्ती जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

राज्य में निवेश के लिए माहौल बनाना चाहिए : प्रमोद

प्रबंध विशेषज्ञ और संस्थान के लिए विशेषज्ञ करने के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य का नाम जीयोजना संपादन के लिए बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। राज्य सरकार को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए खेत में काम हो और टीरीएसी के सशर्त कानून आधारित किया जाए। पांचीय उम्मीद है कि राज्य में अधिक वित्ती जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

जामताड़ा : आवारा कुत्ते ने एक दिन में 12 को काटा

पुत्र ताकिर अंसारी (6 वर्ष), दोपांडं खेत में लोग आवाराकुत्ते के आतंक से बचता है। अब तक आवारा कुत्ते के दर्शन के लिए विकल्पों की अपीली जाती रही है। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं। घटना के दूसरी तरफ साथी आवारा को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

घटना के दूसरी तरफ साथी आवारा को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

घटना के दूसरी तरफ साथी आवारा को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

घटना के दूसरी तरफ साथी आवारा को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

घटना के दूसरी तरफ साथी आवारा को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

घटना के दूसरी तरफ साथी आवारा को बेहतर अर्थव्यवस्था में सुधार करें। इन्होंने जीमीन की खाली जाना चाहिए कि राज्य में अधिक संपुर्ण रैमेज जीमीन पर खड़े पैदे-पैदे को बिना नुकसान पहुंचाएं।

पर्थ विजय का अर्थ

पर्थ के ऐसे मैदान पर भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया टीम को धूल चटा दिया, जहां मेजबान टीम अब तक अजेय थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ धरूलू शूखला तीन शून्य से हारकर ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय टीम के हौसले पस्त हो लगते थे। पथ में न नियमित कप्तान रोहित शर्मा खेल रहे थे और न ही शुभमन गिल उपलब्ध थे। जैसपीट बुमल्ह के नेतृत्व में जब टीम मैदान में उतरी, तो उसमें ख्रींदी जडेजा, रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गजों को बाहर बिटा दिया गया। बुमल्ह ने न सिर्फ साहसिक फैसला लिया, बल्कि अपनी धातक गेंदों के दम पर जीत का ग्रास भी तैयार किया। पांच दिन के टेस्ट में दूसरे दिन ही लग गया कि भारतीय वीरोंने केंगराउओं को धेर लिया है और तीसरे दिन स्पृष्ट हो गया कि बाजी भारत के हाथ लग गई है। न्यूजीलैंड ने मेजबान भारतीय टीम की साख पर जो बट्टा लगाया था, उसे भारतीय टीम ने 295 रनों की बरसात से थोड़ा दिया। यह भारतीय टीम के लिए बड़ी मनोवैज्ञानिक जीत है, अब उसे रोकना कंगारूओं के लिए आसान नहीं होगा।

पूरे मैच में बुमल्ह के आठ विकेट और लगभग चमत्कारी कप्तानी को लेकर समय तक याद किया जाएगा। कप्तानी में उन्हें विराट कोहली से मिली मदद तब और यादगार हो उठी, जब लगभग डढ़ साल बाद विराट के बल्ले से नाबाद शतक निकला। विराट के लिए यह शतक एक नई शुरूआत होनी चाहिए, पिछले पांच वर्ष में उनके बल्ले से महज तीन शतक निकले हैं। उन्हें युवाओं को भी पिच पर जमने का ज्ञान देना होगा और ठीक यही बात नियमित कप्तान के लिए बहुत शर्मा पर लगू होती है। टीम के इन दिग्गजों के लिए भी यह उत्साह की बात है कि युवा यशस्वी जायसवाल ने अपनी 161 रन की पारी को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करा लिया। छाती, कंधे और चेहरे का तक उछलकर आती गेंदों के साथ जायसवाल ने जैसा सुलूक किया, वह टीम के बाकी बल्लेबाजों के लिए नज़री है। आगे बढ़कर तेज गेंद का 'जोखिम लेने के बजाय गेंद का बल्ले पर स्वागत की उनकी शैली जलवा दिखा गई। के एल राहुल (77 रन) के साथ जायसवाल की सलामी पारी रिकॉर्ड 201 स्न पर पहुंचकर टूटी और यही वह साझेदारी थी, जिसने जीत की नींव को पुख्ता कर दिया। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में यह रन के मामले में ऑस्ट्रेलिया में भारत की सबसे बड़ी जीत है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज (कुल पांच विकेट), औल राऊंडर नीतीश कुमार रेड्डी (कुल स्न 79 व एक विकेट) और हर्षित राणा (कुल चार विकेट) के प्रदर्शन को याद किया जाएगा।

याद रहे, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम को अभी लंबा सफर तय करना है। अभी और चार टेस्ट मैच होंगे। एस साल में पाता चलेगा कि दुनिया की दो बेहरीन टीमों में कौन सावन से सरा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम में दिखी ताजा गंभीरता गौरतलब है, जबकि यह अपीरता न्यूजीलैंड के खिलाफ नदराद साथी। पर्थ में चैंपियन होने का लक्ष्य क्षेत्र सामने है। भारत में युंधंदर खिलाड़ियों के लिए यह बड़ी चुनौती है। जैसे, यह सवाल दागा जा रहा था कि नीतीश कुमार रेड्डी अर्हपीएल में कामयाब है, पर संघीय टेस्ट और वह भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कितना चाल सकेंगे? मगर नीतीश ने मिले मार्के का जिस तरह से फायदा उठाया है, यह सीखेने वाली बात है। देश के लिए खेलने का मौका भला कितनों को मिलता है?

हिन्दुस्तान | 75 साल पहले

हैदराबाद निजाम का फैसला

हैदराबाद के निजाम ने रियासत को भारतीय सभ में शामिल करने के दस्तावेज पर आधिकारिक हस्ताक्षर कर दिया। भारत ने एक वर्ष से कुछ पूर्व जब हैदराबाद की राजायी हुक्मान्तर करके खालीफा पुलिस कारबाह की थी, तब से हैदराबाद की समस्या कोई समस्या नहीं रह गई थी। हैदराबाद का अधिकारी निजाम की ओर से कोई बाधा नहीं आई, बल्कि उन्होंने हर प्रकार से सहयोग ही दिया। भारत के साथ शामिल करने में कोई जलवा जीत महज सांत्वना है, टीम को बड़े शतक के साथ आगे बढ़ना चाहिए। टेस्ट में चैंपियन होने का लक्ष्य सामने है। भारत में युंधंदर खिलाड़ियों के लिए यह बड़ी चुनौती है। जैसे, यह सवाल दागा जा रहा था कि नीतीश कुमार रेड्डी अर्हपीएल के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है, तो अब कोई मान्यमान आया है, यह कठीन अधिक सन्तोषजनक है।

निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि आधिकारिक राजसामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भारत और हैदराबाद के हितों में समानता है और दोनों के बीच वैधानिक सम्बन्ध कायम होना चाहिए। इस वैधानिक सम्बन्ध का आधार क्या हो, यह प्रश्न हो। निजाम को सांचेकरण करने में कोई जलवा नहीं आई, लेकिन उन्होंने हर प्रकार सहयोग और आत्मिक अनुभव के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है।

निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि आधिकारिक राजसामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भारत और हैदराबाद के हितों में समानता है और दोनों के बीच वैधानिक सम्बन्ध कायम होना चाहिए। इस वैधानिक सम्बन्ध का आधार क्या हो, यह प्रश्न हो। निजाम को सांचेकरण करने में कोई जलवा नहीं आई, लेकिन उन्होंने हर प्रकार सहयोग और आत्मिक अनुभव के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है।

निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि आधिकारिक राजसामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भारत और हैदराबाद के हितों में समानता है और दोनों के बीच वैधानिक सम्बन्ध कायम होना चाहिए। इस वैधानिक सम्बन्ध का आधार क्या हो, यह प्रश्न हो। निजाम को सांचेकरण करने में कोई जलवा नहीं आई, लेकिन उन्होंने हर प्रकार सहयोग और आत्मिक अनुभव के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है।

निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि आधिकारिक राजसामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भारत और हैदराबाद के हितों में समानता है और दोनों के बीच वैधानिक सम्बन्ध कायम होना चाहिए। इस वैधानिक सम्बन्ध का आधार क्या हो, यह प्रश्न हो। निजाम को सांचेकरण करने में कोई जलवा नहीं आई, लेकिन उन्होंने हर प्रकार सहयोग और आत्मिक अनुभव के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है।

निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि आधिकारिक राजसामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भारत और हैदराबाद के हितों में समानता है और दोनों के बीच वैधानिक सम्बन्ध कायम होना चाहिए। इस वैधानिक सम्बन्ध का आधार क्या हो, यह प्रश्न हो। निजाम को सांचेकरण करने में कोई जलवा नहीं आई, लेकिन उन्होंने हर प्रकार सहयोग और आत्मिक अनुभव के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है।

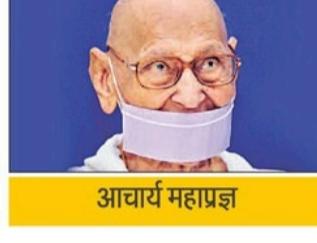
निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि आधिकारिक राजसामाजिक और अन्य क्षेत्रों में भारत और हैदराबाद के हितों में समानता है और दोनों के बीच वैधानिक सम्बन्ध कायम होना चाहिए। इस वैधानिक सम्बन्ध का आधार क्या हो, यह प्रश्न हो। निजाम को सांचेकरण करने में कोई जलवा नहीं आई, लेकिन उन्होंने हर प्रकार सहयोग और आत्मिक अनुभव के लिए यह बड़ी चुनौती है। इस अवसर पर उस लम्बी चर्ची की याद ताजा हो जाती है, जो निजाम और भारत के बीच चर्ची थी और जो अन्त में निष्कल रही। उस समय यदि निजाम भारत की न्यूनतम मार्गों को स्वीकार कर लेते तो उनकी वैधानिक स्थिति आज से कहीं भिन्न होती ही किन्तु जीत अवसर पर हाथी अधिक सन्तोषजनक है।

निजाम ने अपने फैसले में खालीन किया है कि

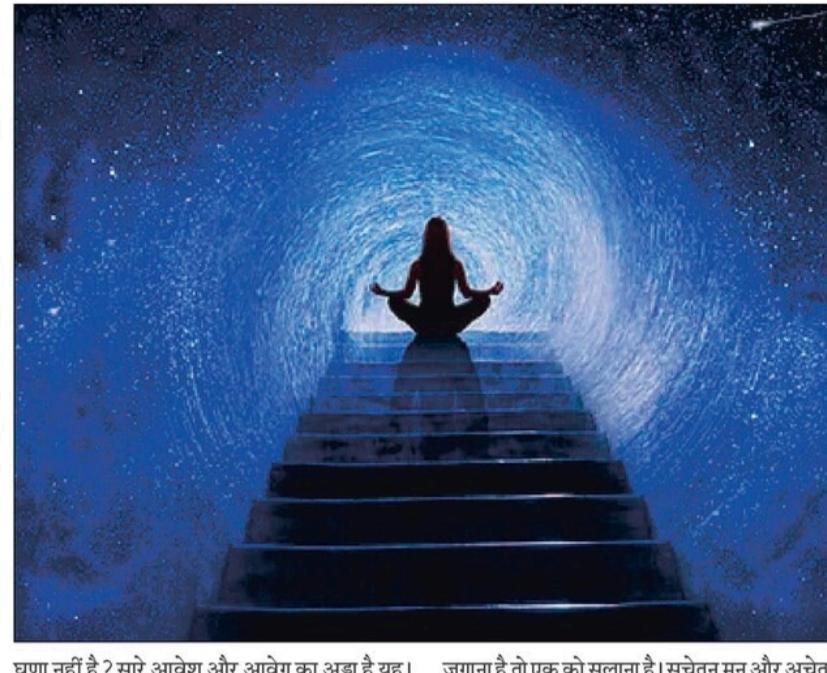
अचेतन के शुक्ल पक्ष को जाग्रत करता है ध्यान

मनुष्य अपनी इच्छाओं के अधीन रहता है। ये इच्छाएं मन द्वारा संचालित होती हैं। जब तक मनुष्य इन इच्छाओं के वश में रहता है, ये इनसान को भटकाती रहती है। इच्छाओं से मुक्त होने का एकमात्र उपाय है, अपनी चेतना को जाग्रत करना। यह चेतना तभी जाग्रत होती है, जब आप ईश्वर का ध्यान करते हैं।

अध्यात्म



आचार्य महाप्रज्ञ



ध्यान नहीं है? सारे आवेश और आवेग का अद्भुत है। बैठे सचेतन मन के पास थे आते कहां से हैं? ये सारे बूँ भाव अचेतन मन से ही होते हैं। हमें अचेतन मन को दो भागों में बांटा होगा। एक वह अचेतन मन जिसका रूप भद्रा है और वह अचेतन मन जो सुंदर है, सरस और मधुर है। एक है कृष्ण पक्ष और एक है शुक्ल पक्ष। हम अचेतन मन के शुक्ल पक्षवाले भाग को जाएं और कृष्ण पक्षवाले भाग को सोचा रहने दें। केवल अचेतन मन को जगाने से काम नहीं होगा। अचेतन मन के उस भाग को जगाएं, जहां अच्छाइयां हैं। सैद्धांतिक भाषा में कहें तो उस धारा को जगाना है, जो क्षायोपासमिक (क्षय और उपराश) भाव है। उस धारा को शांत रहने देना है, जो औद्योगिक भाव है। इसलिए केवल सचेतन मन को ही नहीं, अचेतन मन के कृष्ण पक्षवाले भाग को भी जगाएं।

हमें प्रेषण ध्यान की साधना में केवल जगाना ही नहीं है, किसी को जगाना है तो किसी को सुलाना है। एक को जगाना है तो एक को सुलाना है। सचेतन मन और अचेतन मन के कृष्ण पक्ष को सुलाना है और उसके शुक्ल पक्ष को जगाना है। इसका उपाय है – चैतन्य-केंद्र-प्रश्न। शीर के दो भाग हैं – नाभि से ऊपर का भाग और नाभि से ऊपर का भाग। नीचे का भाग कृष्ण पक्ष है और ऊपर का भाग शुक्ल पक्ष। जब दर्शन केंद्र और ज्योति केंद्र पर ध्यान करते हैं तो अचेतन मन का शुक्ल पक्ष जाता है।

‘इच्छा आकाश के समान अनंत है’ – यह मैं भी जानता हूँ और आप भी जानते हैं। सब जानते हैं कि इच्छा पूर्ण नहीं होती। अपूर्ण बनी रहती है। पर सचाई का साक्षात्कार करनेवाले विलोम हैं। साक्षात्कार वही व्यक्ति कर पाता है, जिसका शुक्ल पक्ष जाग गया है। कपिल दो मासे सोने के लिए राजा के पास गया। राजा को कहा – ‘मांगो।’ अब इच्छा को खोलने के लिए अनंत आकाश मिल गया। इच्छा पूरी गई और पूरे राज्य को पालने और राजा को रंग बनाने की बात सोचकर ही शांत हुई। मोड़ आया। सच्चाई का भान हुआ। शुक्ल पक्ष

जाग गया। राजा ने कहा – ‘मांगो।’ कपिल बोला – ‘क्या मांग? कुछ है ही नहीं इस संसार में। अब मैं जा रहा हूँ, उस देश में जहां मांग नहीं है, चाह नहीं है।’ कपिल सन्यासी बन गया।

सच्चाई का साक्षात्कार होते ही मांग पूरी हो जाती है, चाह समाप्त हो जाती है। जब तक सचाई का अव्योध नहीं होता, तब तक मांग पूरी होती ही नहीं, चाह मिटती ही नहीं।

सिद्ध पुरुष ने अपने भक्त से कहा – ‘प्रसन्न हूँ। कुछ मांगो।’ भक्त बोला – ‘कुछ नहीं चाहिए।’ सिद्ध पुरुष ने देखा, यह कैसा भक्त है। अमूर्यव्यक्ति को खो रहा है। मांगने के लिए आग्रह किया। भक्त बोला – ‘यदि आप देना ही चाहते हैं तो वह बदान दें कि मेरे मन में चाह उत्सन ही न हो, मांग रहे ही नहीं।’

यह तब संभव है, जब सत्य का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा लोग मांग को पूरी करने के चक्रवर्त में किन्तु देवी-देवताओं की मौतीत्वमय भवति है, पूजा-अचर्चना करते हैं।

मांगने के लिए आग्रह किया। भक्त बोला – ‘यदि आप देना ही चाहते हैं तो वह बदान दें कि मेरे मन में चाह उत्सन ही न हो, मांग रहे ही नहीं।’

यह तब संभव है, जब सत्य का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा लोग मांग को पूरी करने के चक्रवर्त में किन्तु देवी-देवताओं की मौतीत्वमय भवति है, पूजा-अचर्चना करते हैं। इच्छा पर अंकुश नहीं रहता। तब देवताओं की शरण ली जाती है। कोई भी व्यक्ति देवताओं की मौतीत्वमय गुणों के कारण नहीं मनाता। उसके दिव्य गुणों के प्रति कोई आस्था भी नहीं है। मुझे दिव्य बनना है, देवता सदृश बनना है, इसका भावना से कोई देवता के लिए नहीं रहता। बैठते देवता भी क्या करेंगे? किस-किस की इच्छा पूरी करेंगे? किसीने को संभालेंगे?

आज ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आदमी ने आदमी पर भरोसा करना छोड़ दिया, श्रम और पुरुषार्थ पर भरोसा करना छोड़ दिया और पूरा विवास देवताओं के चरणों में समर्पित किया। देवताओं के सामने भी समस्या है कि किस-किस की मांग पूरी करें? कहां से करें? कितनी करें? कोई भी व्यक्ति देवता के पास इसलिए नहीं जाता कि उसका सोया मन जग जाए, चेतना जाग्रत हो जाए, दिव्यगुणों की प्राप्ति हो। यदि आदमी ने इच्छा पर नियंत्रण करना नहीं सोचा तो वह दिन दूर नहीं है, जब देवता भी मरिदर के साथ द्वारा ही बंद हो जाए। बैठते देवता भी खुले हैं सर्के, जो मरिदर में इच्छापूर्वी के लिए नहीं, आगधना और सदृशवाना से आते हैं।



सप्ताहके ग्रन्त-त्योहार

26 नवंबर से 02 दिसंबर 2024

26 नवंबर (मंगलवार)

मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी तिथि रात्रि 03.48 मिनट तक। उत्सवना एकादशी ग्रन्त।

27 नवंबर (बुधवार)

मार्गशीर्ष कृष्ण द्वादशी तिथि रात्रि 06.24 मिनट (सूर्योदय पूर्व) तक।

28 नवंबर (गुरुवार)

मार्गशीर्ष कृष्ण त्रयोदशी तिथि (दिन-रात)। प्रदोष ग्रन्त।

29 नवंबर (शुक्रवार)

मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्दशी तिथि प्रातः 08.40 मिनट तक। भद्रा ग्रातः 08.40 मिनट से रात्रि 09.35 मिनट तक।

30 नवंबर (शनिवार)

मार्गशीर्ष कृष्ण चतुर्वार्ष तिथि प्रातः 10.30 मिनट तक प्रवाचन अमावस्या तिथि। पिंडिकार्यों अमावस्या।

01 दिसंबर (संविवार)

मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या तिथि प्रातः 11.51 मिनट तक। मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या तिथि। गंडमूल द्वादश 02.24 मिनट बात। दिसंबर मास प्रारंभ।

02 दिसंबर (सोमवार)

मार्गशीर्ष शुक्रवार प्रतिपदा तिथि दोपहर 12.44 मिनट तक। मार्गशीर्ष शुक्रवार पक्ष प्रारंभ। गंडमूल विचार।

पं. रघुवराम गोवाराम



विचार

अपने आपको जानना ही असली दौलत है

हर एक इनसान यहीं चाहता है कि उसकी जिंदगी सुख-चैन से बरी हो। बहुत से लोग यहीं सोचते हैं कि अगर हमारे पास धन-दौलत हो गी, तो हमारे सारे दुःख-दर्द दूर हो जाएंगे। यदि आदमी ने इच्छा पर नियंत्रण करना नहीं सोचा तो वह दिन दूर नहीं होता है। जब देवता भी मरिदर के साथ द्वारा दूर होते हैं तो वे केवल उनके लिए खुले हैं। इच्छा पर अंकुश नहीं होता। तब देवताओं की शरण ली जाती है। कोई भी व्यक्ति देवता के पास नहीं जाता। देवता सदृश बनना है, इसका भावना से कोई देवता के लिए नहीं जाता है। जब देवता भी खुले हैं सर्के, जो मरिदर में इच्छापूर्वी के लिए नहीं, आगधना और सदृशवाना से आते हैं।

वही क्या जरूरत है? जब भी तुम्हें पैसे चाहिए हों, इसे किसी भी लोहे पर छुआ देना, वह सोना बन जाए। उन्होंने उसे लोने से इनकार कर दिया, लेकिन संतीजी ने बड़ा जार डाला और उन्होंने उसे लोने की ओर आदेश दिया। उन्होंने उसे लोने की ओर आदेश दिया। लेकिन जब हम उन लोगों की ओर देखते हैं, जिनके पास सुख-चैन है, तो वे बाहर की ओर धूल-दौलत के मालिक होते हैं।

एक दौलत बाहर की दुनिया की है – वह दौलत, जिसके द्वारा हम दुनिया की चीज़ें और जानकारी हैं। अपूर्ण बनी रहती है। पर इन्हें एक दौलत समझते हैं। हमारी जिंदगी में सोने के लिए विवास देवताओं के चरणों में समर्पित किया है। किंतु आदमी को इच्छा पर नियंत्रण करना नहीं सोचा तो वह दिन दूर नहीं होता है, जब देवता भी खुले हैं। यदि आदमी ने इच्छा पर नियंत्रण करना नहीं सोचा तो वह दिन दूर नहीं होता है। जब देवता भी खुले हैं तो वे काम के लिए उत्सव होते हैं। यदि आदमी ने इच्छा पर नियंत्रण करना नहीं सोचा तो वह दिन दूर नहीं होता है। जब देवता भी खुले हैं तो वे काम के लिए उत्सव होते हैं।

एक साल बाद संतीजी ने आपसे बहुत खुश हूँ। इच्छापूर्वी मैं यह आपको देकर जा रहा हूँ।

एक साल बाद संतीजी ने आपसे बहुत खुश हूँ। इच्छापूर्वी मैं यह आपको देकर जा रहा हूँ।

उनकी जानकारी है कि उसकी जिंदगी में आपसे बहुत खुश हूँ। इच्छापूर्वी मैं यह आपसे बहुत खुश हूँ। इच्छापूर्वी मैं यह आपसे बहुत ख



कठिन समस्याओं के
लिए भरोसेमंद टॉनिक
पूरे माह रहें एकित्व,
फिट एवं स्वस्थ



Clinically
Tested*
For efficacy and safety.

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

67 दुर्लभ प्राकृतिक
जड़ी-बूटियों से बना
'सची सहेली'
आयुर्वेदिक
टॉनिक एवं
टेबलेट्स



- कठिन दर्द
- विड्चिङ्गपन
- धकान
- कमज़ोरी
- कमर कटना
- इम्यूनिटी

बिन बायोप्सी प्रोस्टेट कैंसर की पहचान होगी

सेहत

■ एजनीश एस्टोगी



एमी अवाइस विजेताओं
की घोषणा आज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में इंटरनेशनल एमी अवाइस का 52वां संस्करण मंगलवार को आयोजित होगा। कार्यक्रम की मेजबानी अधिनेता-कॉर्मिंग बोर्ड द्वारा करेगी। यह उपलब्ध हासिल करने वाले पहले भारतीय बन जाएगी। टेलीविजन में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए जाने वाले एमी वार्षिक पुरस्कार का प्रसारण भारतीय समाजसांस्कार मंगलवार ताऱे के साथ आयोजित होगा। समारोह में भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्राजील और अंडीना सहित 21 देशों के 56 से अधिक नामांकित व्यक्ति शामिल होंगे।

थ्रेस पर जल्द देख सकेंगे ट्रैइंग वीडियो

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी मेटा अपने थ्रेस यूजर के लिए नया अपडेट लाना चाहा है। इसमें उपयोगकर्ता वीडियो को सर्व कर सकेंगे। ये भी जान सकेंगे कि कौन सा वीडियो ड्रैग कर रहा है। मेटा इसके तहत अधिकतम पांच ड्रैग करने वाला वीडियो दिखाएगा। यह अपडेट थ्रेस जल्द ही देखने को मिलेगा। हाल ही में थ्रेस ने अपने यूजर के लिए एक नया फीचर जारी किया था।



पहले में चल भी नहीं पाता था
अब दौड़ भी लेता हूँ

मैं पिछले 15 वर्षों से घृणनों के दर्द से पीड़ित था, कई तरह के इलाज कराने वे तेल इत्यादि लगाने पर भी मुझे चलने में व सीधियां ढाने में बहुत तकलीफ होती थी। मैं कहीं आ जा नहीं पाता था। किर मुझे चतुर्भुज तेल एवं चतुर्भुज टैबलेट के बारे में पता लगा तो मैंने चतुर्भुज टैबलेट की 1 गोली सुबह 1 गोली शाम को लेना शुरू किया एवं चतुर्भुज तेल को 8 से 10 एमएल दिन में 3 बार 15 से 20 मिनिट तक अच्छे से मालिश की और तेल लगाने में कंजूरी बिल्कुल भी नहीं करी क्योंकि मुझे मालुम था कि दर्द जोड़ा, हड्डियों एवं मासपेशियों में होता है, न कि त्वाक कि ऊपरी सतह पर। इसलिये मैंने ज्यादा मात्रा में तेल लेकर मालिश करी, जिससे तेल अन्दर तक ज्यादा और मुझे बहुत जल्दी बहुत ज्यादा फायदा हो गया। अब मैं दौड़ कर घर की सीधियां ढाना हूँ और जहां मैं रोमन करता हूँ मैं वहां पैदल भी चला जाता हूँ। चतुर्भुज तेल एवं चतुर्भुज टैबलेट को मेरे परिवार में सभी लोग कई तरह के दर्दों में प्रयोग करते हैं और ठीक हो जाते हैं। मैं इसके परिणाम से पर्पतः संतुष्ट हूँ मेरा अपने इस व्यक्तिगत अनुभव को जनहित मैंने का उद्देश्य एकमात्र यही है कि सभी लोग दर्द से मुक्ति पायें।

B.C. HASARAM & SONS

ayurvedic pharmacy

दर्द से राहत पाने का सबसे
आसान और प्रभावी तरीका!

65 वर्षों से निर्भय भारत का प्रसिद्ध



HELPLINE: 70373-74184, 72172-66778
Super stockiest: RANCHI: Patwari Traders-9386370848, 9334701474

शुद्ध

जड़ी-बूटियों
तथा भारतवर्ष
की गरीमामयी
वर्षों पुरानी
आयुर्वेद पद्धति के
बेजोड़ मिश्रण से बना
एक ऐसा लोकप्रिय
उत्पाद, जिससे आप
ऊर्जा, क्षमता एवं
स्फूर्ति का एहसास
महसूस करें।

जापानी-M
कैप्सूल (पुरुषों के लिए)

जापानी-F
कैप्सूल (महिलाओं के लिए)

एक सुबह
और एक शाम
रोज खाया
करें।

ज्यादा अच्छे परिणाम हेतु पुरुष जापानी-M कैप्सूल
के साथ में जापानी तेल का भी नियमित इस्तेमाल करें।

सभी मेडीकल एवं आयुर्वेदिक स्टोर्स पर उपलब्ध

आयुर्वेदिक औषधि
चतुर्भुज
तेल एवं टैबलेट

सभी मेडीकल एवं आयुर्वेदिक स्टोर्स पर उपलब्ध

RENAULT TRIBER life on demand



शुरुआती EMI ₹8 999/-*



5 से 7 सीट्स



वायरलेस चार्जर



17.78 cm TFT इंस्ट्रुमेंट क्लर्टर

*₹8 999/- EMI based on a loan amount of ₹5,23,932 for a tenure of 84 months. EMI may vary based on actual loan amount and tenure. Not valid for any added loan amount and tenure. Finance at sole discretion of Renault finance. Features depicted in the advertisement may vary based on the model, variant of choice, corporate/PSU/defence personnel/government employee/professional benefits applicable on each model are basis eligibility of the customer and based on submission of required proof by the customer. Price valid on the date of purchase. For detailed terms and conditions, please visit www.renault.co.in

Renault recommends Castrol

renault.co.in